भारत सरकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 647
जिसका उत्तर 23 जुलाई, 2025 को दिया जाना है ।
1 श्रावण, 1947 (शक)

सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाइयों द्वारा सृजित नौकरियाँ

647. श्री जी. कुमार नायक:

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम के तहत स्थापित सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाइयों द्वारा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सृजित कुल नौकरियों की संख्या क्या है तथा कुशल और अकुशल श्रमिकों का ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या सरकार ने विशेष रूप से कार्बन उत्सर्जन, जल उपयोग और अपशिष्ट सृजन के संदर्भ में इन इकाइयों के पर्यावरणीय प्रभाव का मूल्यांकन किया है और यदि हां, तो इन प्रभावों को कम करने के लिए लागू किए गए किसी भी शमन उपाय का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) और **(ख)**: सरकार ने देश में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए 76,000 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम शुरू किया। सरकार ने इस कार्यक्रम के तहत लगभग 1,55,000 करोड़ रुपए का संचयी निवेश के साथ अब तक छह (6) सेमीकंडक्टर विनिर्माण परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन स्वीकृत सेमीकंडक्टर विनिर्माण परियोजनाओं से कारखाना स्वचालन की परिपक्वता के आधार पर 27,000 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

सेमीकंडक्टर विनिर्माण एक अत्यधिक विशिष्ट उद्योग है जिसके लिए जटिल विनिर्माण प्रक्रिया की आवश्यकता होती है। इसलिए, इस उद्योग में तैयार किए गए अधिकांश रोज़गार कौशलपरक हैं। इसके अलावा, चूंकि सेमीकंडक्टर उद्योग एक आधारभूत उद्योग है, इसलिए इन इकाइयों से अन्य क्षेत्रों में रोजगार सृजन और संबंधित आपूर्ति श्रृंखला पर व्यापक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।

सेमीकॉन इंडिया के अंतर्गत परियोजनाओं को पर्यावरण, जल, अपशिष्ट आदि से संबंधित लागू कानूनों/नियमों के तहत विनियमित किया गया है।

*****